नींद

Translation By: Suhani Gupta

जिस नींद से
कभी लगाव था बहुत
आज उस नींद से
कोई सरोकार नहीं ।
अधीर सी हो गई है नींद

बावरी सी सारी रात
स्वयं फिरे
संग
चढ़ा काँधे चिंता के
मुझे भी घुमाए।
कुछ नई
कुछ पुरानी
जा दहलीज़ खटखटाए
लगी कील उखाड़े
कर घायल हाथ
पोर महसूस
लौटती
बेसुध बोझिल आँखें

Original Text

नींदर

जिस नींदर कन्ने,

कदें बड़ी बंतर ही।

अज्ज उस्से नींदर कन्ने,

किश बनदी नेई।

चिवखड़ जन होयी गेदी ऐ - नींदर,

पूरी रात बतूरी जन

आपू फिरदी,

कन्ने मिगी बी।

फिकरें दे कनहाड़े चाढ़ी

फेरदी रौंह्दी ऐ -

किश नम्मियां,

किश परानियां।

इयोइढयां जाई ठहोरदी ऐ,

उंदे च लग्गी दी मेखें गी - खरोतरी

हदें गी घाल करदी,

पीड मसूसदी,

परतोंदी

अकखियें गी बसुर्त करी ।

English Translation

Sleep

The sleep that once accompanied me,
That once grew alongside me,
Today, it seems to have drifted away,
Nothing remains of its comforting presence.

Wandering around like a restless spirit—this sleep,
It roams the entire night,
Moving on its own,
Taking me along with it.

It climbs onto the shoulders of worries,
And continues its journey—
Knocking on some new,
And some old doors.

It scratches at the locks placed on them—
It wounds,
Causing pain and making it felt.
Eventually,
It returns,
To quieten the eyes in slumber.